CHIDAMBARAM SRI NATARAJAR

THIRUCHITRAMBALAM ANNADHANA TRUSTEE Cell : 9345512876

2

॥धर्मो रक्षति रक्षित:॥ [GOVT. Reg. No. 57/2007

तिरुचित्रंबलम अन्नदान अरक्कट्टलै

"अन्नं पालिकुं तिल्लैचित्रंबलम" — देवारम

॥अन्नाद् भवन्ति भूतानि पर्जन्याद् अन्न सम्भव:॥
— श्रीमद् भगवद्गीता

हर एक आदमी, जो भी इस भूमि में जन्म लेता है, आनन्द से (शान्ति से) रहना चाहता है। इस आनन्दमय जीवन के लिए सब समयों में बहुत सी रास्ताएँ दिखायी पडती हैं। उनमें से एक ही मार्ग सब समय उपदेश रूप में समझाते हैं — वह है अन्नदान।

जिस स्थान में अन्नदान किया जाता है, वहाँ अष्टैश्वर्य, देह-आरोग्य, मन में शान्ती, कुटुम्ब में सौख्य और व्यापार में उन्नती होते हैं। यह सब अन्नदाताओं का अनुभव भी है। तिरुमलै, श्रीशैलम, अरुणाचलम, धर्मस्थला, उडुपी, गोकर्ण आदि पुण्यस्थल और बहुत से लोग इस का उदाहरण हैं।

मनुष्य को कष्ट आता है तो वह उसका पूर्व जन्म या इसी जन्म का कर्मफल ही है — ऐसा हमारा सनातन धर्म बताती है। जानबूझकर या अनजान में किये हुए पापों का फल ही कष्ट के रूप में अनुभव हो रहा है। इस कष्ट से बचने का एक ही मार्ग अन्नदान करना है — यह हमारा हिन्दु धर्म का कथन है।

पँच भूतों के क्षेत्रों में चिदंबरम आकाश क्षेत्र कहा जाता है। श्री नटराज स्वामी का दर्शन मात्र मुक्ति दायक माना जाता है। "दर्शनाद् अभ्र शदसी, जननात् कमलालये। काश्यां तु मरणान् मुक्ति:, स्मरणाद् अरुणाचले"॥ इस श्लोक का अर्थ है — तिरुवारूर में जन्म लेने से, अरुणाचलेश्वर को स्मरण करने से, वाराणसी में मरने से, और चिदंबरेश्वर का।

... contd.

दर्शन से मनुष्य मुक्त हो जाता है।

प्राचीन काल में चिदंबर क्षेत्र में हर एक घर में दर्शन करने के लिए आनेवाले भक्तों को अन्नदान किया करते थे। लेकिन यह किसी कारण से आजकल बंद हो गया।

आज, सन् २००१ से श्री नटराज स्वामी की प्रेरणा से, उनकी अनुग्रह से, "तिरुचिट्रंबलम अन्नदान अरक्कट्टलै" के द्वारा शंज अन्नदान किया जा रहा है। इस अन्नदान में भाग लेने के लिए इस अरक्कट्टलै के निर्वाही आप सब लोगों को स्वागत करते हैं।

इस मौका के सदुपयोग करके श्री शिवकाम सुन्दरी समेत श्री नटराज स्वामी के अनुग्रह के पात्र हो जावें। आप के जन्मदिन, शादि किये हुए दिन (Wedding day), अमावास्या, पूर्णिमा, पितरों का श्राद्ध दिन, कम्पनी का आरम्भ दिन आदि मुख्य दिनों में चिदंबर क्षेत्र में इस अन्नदान अरक्कट्टलै के द्वारा अन्नदान करके पूर्ण फल को प्राप्त कर लें।

एक दिन सौ लोगों को अन्नदान करने के लिए रु. 3000/- खर्च होता है। "तिरुचिट्रंबलम अन्नदान अरक्कट्टलै" नाम में चेक (या) डी.डी लेकर निम्न लिखित दीक्षित को भेज कर अन्नदान में भाग लें। अन्नदान के लिए दिया हुआ दान के लिए इनकमटाक्स 80-G में आयकर दिया जाता है। (Tax Exemption given under 80 G of Income Tax Act)

और पता के लिए —

श्री. चि. नव ताण्डव दीक्षित,
निर्वाही,
तिरुचिट्रंबलम अन्नदान अरक्कट्टलै,
28/10, कील सन्नधी (पूर्व सन्नधी)
चिदंबरम - 608 001

Cell : 93455 12976
E-mail : santhenasubramani1969@yahoo.com
WWW.thiruchitrambalam.org